श्रेयस अय्यर का हालिया शानदार प्रदर्शन टेस्ट टीम में जगह ना मिलने से प्रेरित है। उनके जैसा प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों को मौका मिला है।

- रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

राजीव शुक्ला

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला पहले कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था लेकिन बाद में इसे अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया गया। जिसके बाद वेस्ट बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीसीसीआई पर निशाना साधते हुए इस फैसले को राजनीतिक करार दिया है। जिसके बाद बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अब इस पर बयान दिया है। राजीव शुक्ला ने कहा है कि, जो मैच शिफ्ट किए गए हैं उसमें किसी भी तरह की राजनीति नहीं देखी जानी चाहिए। किसी राजनीतिक भावना से ये फैसला नहीं लिया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स को मुंबई से 33 में से 17 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 2022 से उसने 5 में से 3 मैच जीते हैं। क्वालिफायर-2 में मुंबई 2 मैच जीती है और 2 हारी है।

बेंगलुरु और पंजाब अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने उतरेगी

अहमदाबाद, 2 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) मंगलवार को अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में नरेंद्र मोदी स्टेडियम की दूधिया रोशनी में इतिहास रचने की उतरेगी। आरसीबी नौ साल बाद फाइनल में वापस आई है अभी भी अपने पहले खिताब की तलाश है। जबकि पंजाब किंग्स 2014 में अपने पहले प्रदर्शन के 11 साल बाद दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

रजत पाटीदार की आरसीबी इस सीजन में पंजाब को दो बार हरा चुकी है, जिसमें क्वालीफायर वन में आठ विकेट से मिली शानदार जीत भी शामिल है। इस मैच में जोश हेजलवुड (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों ने पंजाब किंग्स को 101 रनों पर ढेर कर दिया। उसके बाद मात्र 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया था। आरसीबी की धड़कन विराट कोहली इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं।

15 पारियों में 146.53 के स्ट्राइक रेट से 614 रन बनाने वाले कोहली को एक बार फिर आरसीबी की बल्लेबाजी की कमान संभालने के लिए चुना गया है। पिछले मैच में 27 गेंदों पर 56 रन बनाने वाले फिलिप साल्ट ने धमाकेदार शुरुआत दी है। जबकि पाटीदार खुद मध्यक्रम

में स्थिर उपस्थिति बनाए हुए हैं। इसी के साथ मयंक अग्रवाल, क्रुणाल पांड्या और जितेश शर्मा ने बहुमूल्य योगदान रहा है। रोमारियो शेफर्ड और टिम डेविड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। जोश हेजलवुड की वापसी ने आरसीबी गेंदबाजी इकाई को मजबूत किया है, जिसमें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और स्पिन जोड़ी सुयश शर्मा और यश दयाल का अच्छा सहयोग रहा है।

पंजाब किंग्स ने क्वालीफायर वन में मिली बड़ी हार से उबरते हुए दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर अपना आक्रामक प्रदर्शन दिखाया है। इस मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। पंजाब का शीर्ष क्रम पूरे सीजन में शानदार फॉर्म में रहा है। प्रभसिमरन सिंह (523 रन) और प्रियांश आर्य (451 रन) ने लगातार तेज शुरुआत दी है। जॉश इंगलिस ने तीसरे नंबर पर आकर रनों की गति दी है, जबकि अय्यर मध्यक्रम में 175 के शानदार स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाकर अहम भूमिका निभा रहे हैं। नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पंजाब के शानदार बल्लेबाजी स्वरूप को दिखाती है। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मार्क जेनसन के बाहर होने के बाद, काइल जैमीसन ने अर्शदीप सिंह (18 विकेट) के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी विभाग में कदम रखा है। युजवेंद्र चहल की वापसी ने उनके स्पिन आक्रमण को मजबूत हुआ है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच इस सीजन में बड़े स्कोर वाली रही। यहां पहली पारी का औसत 177 रहा है और पिछले तीन मैचों में 200 रन का आंकड़ा पार हुआ है। आईपीएल 2025 के दौरान इस मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से छह पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं। यहां टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। पिच की बात की जाये तो इससे शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए मददगार होने की उम्मीद है, जबकि शाम को धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। दोनों पक्षों के पास खिताब के सूखे को खत्म करने का मौका है।

बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बन सकते हैं राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 2 जून। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल इस साल जुलाई में समाप्त होने वाला है। विश्व कप विजेता ऑलराउंडर 70 वर्ष के हो जाएंगे। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, 70 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद कोई व्यक्ति पदाधिकारी नहीं रह जाता है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक से पहले तीन महीने के लिए अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल सकते हैं।

एजीएम के दौरान, सांसद और पूर्व आईपीएल अध्यक्ष शुक्ला बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में पूर्ण कार्यकाल के लिए खड़े हो सकते हैं। शुक्ला वर्तमान में क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। राजीव शुक्ला इस प्रतिष्ठित पद के लिए किसी नए

व्यक्ति के निर्वाचित होने तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। बिन्नी को 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, क्योंकि उन्होंने सौरव गांगुली से पदभार संभाला था। दिग्गज तेज गेंदबाज ने 27 टेस्ट और 72 वनडे में देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने कुल 124 विकेट लिए हैं। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक 1983 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें आठ पारियों में 18 विकेट लेकर टूर्नामेंट के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इस बीच, राजीव शुक्ला ने 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष का पद संभाला है। उन्होंने 2017 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सचिव और 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। इस साल की शुरुआत में देवजीत सैकिया को बीसीसीआई सचिव नियुक्त किया गया था, उन्होंने जय शाह की जगह ली थी, जो आईसीसी के चेयरमैन बन गए थे। सैकिया निर्विरोध चुने गए थे।

स्टुअर्ट ब्रॉड होंगे द. अफ्रीका के सलाहकार कोच

केपटाउन, 2 जून। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपिनशिप के फाइनल से पहले इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम का सलाहकार कोच नियुक्त किया है। 38 वर्षीय ब्रॉड नौ जून को अभ्यास के दौरान सलाहकार के रूप में काम करेंगे। एशेज 2023 के आखिर में रिटायर होने के बाद ब्रॉड की कोचिंग में पहली भूमिका होगी। 11 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की तैयारी में मदद करेंगे। ब्रॉड नौ जून होने वाले अभ्यास सत्र में टीम के साथ जुड़ेंगे। ब्रॉड ने 167 टेस्ट मैचों में 604 विकेट लिए। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 153 विकेट लिये है।

बड़े मौकों पर संयम से अच्छे प्रदर्शन की संभावना बढ़ जाती है : श्रेयस

अहमदाबाद, 2 जून। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि बड़े मौकों पर जब आप संयम रखते है तो आपके अच्छे प्रदर्शन की संभावना बढ़ जाती है। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में मुम्बई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस ने कहा कि मुझे बड़े मौको पर खेलना अच्छा लगता है, मैं हमेश अपने साथियों से कहता हूं जब आप बड़े मौको पर संयम रखते हैं तो आपके अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि आरसीबी के खिलाफ हार के बाद हमने इस पर अधिक बात नहीं की कि हमने कहां गलती की। हमें पता है कि हमने इस सत्र कैसा क्रिकेट खेला है। भले ही कुछ खिलाड़ियों को बड़े मौको पर खेलने का अनुभव नहीं है लेकिन वे साहसी हैं। युवा और अनकैप्ड खिलाड़ियों अय्यर ने कहा कि मैं उन्हें अधिक निर्देश नहीं देता, बस उन्हें उनके अंदाज़ में खेलने देता हूं। उनमें जो निडरता है, वही मुझे पसंद है। भले ही अनुभव कम हो, लेकिन उनके पास विचार होते हैं और वो उन्हें साझा भी करते हैं। आखिर में उन्होंने कहा कि मैं अभी इसी पल में हूं, इस जीत का आनंद उठा रहा हूं। लेकिन काम अभी आधा ही हुआ है।

8वीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता कैन्डलविक, एमी व जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 2 जून। आठवीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत कुशाग्र ओझा, 67 रन नाबाद (49 गेंद, 5 चौके व 5 छक्के) की मदद से कैन्डलविक क्रिकेट अकेडमी ने आर.डी. क्रिकेट अकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। दूसरे मैच में अयान खान, 23/4 विकेट, आयुष आमेरिया 64 रन नाबाद तथा नावेद खान 51 रन नाबाद की मदद से एमी क्रिकेट अकेडमी ने शिवा अकेडमी को 10 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। तीसरे मैच में जयपुरिया क्रिकेट अकेडमी के रोहन राजभर 55 रन, अमन शेखावत के 51 रन के अर्द्ध शतकों की मदद से रेलवे क्रिकेट अकेडमी को 42 रनों से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

डी गुकेश ने विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया

स्टवान्गर (नॉर्वे), 2 जून। नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व चैंपियन डोमाराजू गुकेश ने विश्व नंबर वन शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को शानदार मुकाबले में मात दी। भारतीय ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनके ही देश में हराकर बड़ी जीत दर्ज की। खेल में एक समय

कार्लसन का पलड़ा भारी लग रहा था, लेकिन गुकेश ने कार्लसन की खामियों का फायदा उठाते हुए बाजी पलटकर क्लासिकल मैच में शानदार जीत हासिल की। गुकेश की इस जीत के साथ ही टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों का स्कोर बराबर 1-1 हो गया है। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में यह दूसरी बार है जब किसी भारतीय खिलाड़ी ने क्लासिकल प्रारुप में विश्व चैंपियन कार्लसन को मात दी हो। इससे पहले आर. प्रग्गनानंदा ने इसी टूर्नामेंट में कार्लसन को हराया था।

क्लासेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

केपटाउन, 02 जून। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्लासेन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपने संन्यास की घोषणा की। क्लासेन ने पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 से भी संन्यास ले लिया है। उन्होंने वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट में पदार्पण किया था। क्लासेन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए दुखद दिन है क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने कि घोषण कर रहा हूं।

आरसीए पाली जिला सीनियर कॉल्विन शील्ड टीम की 4-5 जून को ओपन चयन ट्रायल आयोजित करेगा

जयपुर, 2 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी के अनुसार आरसीए के तत्वाधान में आगामी दिनांक 7 जून से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पाली जिला क्रिकेट संघ टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा ओपन चयन ट्रायल का आयोजन किया जायेगा। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार जिला क्रिकेट संघ की टीम के लिए ओपन चयन ट्रॉयल आरसीए पर्यवेक्षक की उपस्तिथि में जिला केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी व टीम का चयन आरसीए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता करेंगे।

चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :-कंप्यूटर जनरेटेड जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य) बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य) पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका (अनिवार्य) आधार कार्ड / वोटर आईडी / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट। पाली जिला क्रिकेट टीम ओपन चयन ट्रायल की दिनांक, स्थान व आर सी ए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता का नाम, स्थान, शुचये क्रिकेट एकेडमी, जनता कालोनी, विजय आदर्श स्कुल के पास, 4 - 5 जून 2025 सुबह 7 बजे होगी। चयनकर्ता में विलास जोशी व जाकिर हुसैन, पर्यवेक्षक, सुशील जैन होंगे।

आरसीए ने सुनील भंडारी को पाली जिला कॉल्विन शील्ड टीम हेतु आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली चयन ट्रायल के कार्यों व्यवस्थाओं व आरसीए ऑफिशल्स के सहयोग हेतु कोर्डिनेटर नियुक्त किया है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाडियों में से जिला टीम में चुने गए प्रतिभावान खिलाड़ी ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में खेल सकेंगे।

रुद्रांश व सुमेधा ने स्वर्ण जीते

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), 2 जून। डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड कप के तीसरे दिन सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष वर्ग में रुद्रांश खंडेलवाल और महिला वर्ग में सुमेधा पाठक ने स्वर्ण पदक जीते। आज यहां विश्व निशानेबाजी पैरा स्पोर्ट्स विश्वकप में हुई प्रतियोगिता के तीसरे दिन 10 मीटर एयर पिस्टल महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में सुमेधा पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और सृष्टि अरोड़ा ने रजत पदक जीता।

मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट को कहा अलविदा

सिडनी, 2 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार को एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। मैक्सवेल ने आज फाइनल वर्ड पॉडकास्ट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वर्ष 2022 में पैर टूटने के बाद से वह एकदिवसीय क्रिकेट में असहज महसूस कर रहे थे। इससे टीम को नुकसान पहुंच रहा था। इसलिए मैंने एकदिवसीय क्रिकेट को छोड़ने का फैसला किया। हालांकि वह अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट के उपलब्ध रहेंगे। मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगा कि मेरे शरीर की प्रतिक्रिया टीम को नुकसान पहुंचा रही है। मैंने इसको लेकर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की। हम दोनों के बीच 2027 विश्वकप को लेकर चर्चा हुई, मैंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं तब तक खेल पाऊंगा। अब समय है कि इस जगह के लिए किसी अन्य खिलाड़ी को तैयार किया जाए।

हिन्दुस्तानी कप मैच रेलवे ग्राउंड पर 17 अगस्त से

जयपुर, 2 जून। जयपुर के रेलवे ग्राउण्ड पर रेलवे हिन्दुस्तानी कप क्रिकेट मुकाबला 17 अगस्त को खेला जाएगा। इस मैच के आयोजक और रेलवे टीम के कोच शब्बीर हुसैन ने बताया कि मैच की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। ये मुकाबला प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों के एक साथ मिलने का बड़ा अवसर होगा।

एक बार फिर से प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेट सितारे साथ नजर आएंगे। शब्बीर ने बताया कि भारतीय बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष किशोर रूंगटा और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व डिप्टी प्रेसिडेंट डॉ. बिमल सोनी ने हिन्दुस्तानी कप का अनावरण किया। शब्बीर ने कहा कि 17 अगस्त को होने वाले मैच में प्रदेश के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाएगा। शब्बीर हुसैन रेलवे ग्राउण्ड पर पूर्व में गुरु पूर्णिमा कप, रफाकत कप, सद्भावना कप

और एकता कप जैसे आयोजन कर चुके हैं। टूर्नामेंट के मैच रंगीन पोशाक व सफ़ेद बॉल से खेला जायेगा। टूर्नामेंट में सभी खिलाडियों को स्मृति चिन्ह, बेस्ट बेट्स मेन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट विकेट कीपर व मैन ऑफ दी सीरीज का अवार्ड दिया जायेगा। इस मैच को और सफल बनाने में पूर्व विज्जी टॉफी खिलाड़ी सुरेन्द्र पाल सिंह एवं पूर्व सीनियर खिलाड़ी अखिलेश चतुर्वेदी व यश गौड मेहनत कर रहे है। विनोद माथुर, पूर्व रणजी खिलाड़ी बिमल रॉय सोनी व उदयपुर से आ रहे स्पोर्ट्स काउंसिल के पूर्व स्पोर्ट्स ऑफिसर एवं सीनियर कोच शाकिर हुसैन भी हिस्सा लेंगे। साथ में ही सीनियर खिलाड़ी जहीर खान भी अपने खेल के हुनर दिखांएगें। उदयपुर से निखिल डो आ शेर सिंह, किशन चौधरी भीलवाडा से शैलेन्द्र गहलोत अजमेर से खान भी खेलेंगे।

आईपीएल के क्वालीफायर-2 में धीमी ओवर गति के लिए अय्यर, हार्दिक पर जुर्माना लगा

अहमदाबाद, 2 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे क्वालीफायर मैच में धीमी गति से ओवर करने के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। रविवार रात अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल 2025 के क्वालिफायर दो बारिश के कारण मैच दो घंटे के बाद शुरु हुआ था। दोनों टीमों की ओर से धीमी ओवर गति के कारण मैच और अधिक देरी से खत्म हुआ। इस सत्र में पंजाब किंग्स की दूसरी बार धीमी ओवर रेट की गलती हुई इसलिए उसके कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुम्बई इंडियंस की ओर से इस तरह की तीसरी गलती होने के कारण हार्दिक पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पर्पल कैप अपने नाम कर सकते हैं जोश हेजलवुड

नई दिल्ली, 2 जून। आईपीएल 2025 का फाइनल मैच 3 जून को पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को पर्पल कैप मिलने की पूरी संभावना है, लेकिन अगर आईपीएल 2025 के सीजन में जो अब तक नहीं हुआ वो काम अगर एक गेंदबाज ने कर दिखाया तो फिर पर्पल कैप प्रसिद्ध कृष्णा से छिन भी सकती है। इस समय पर्पल कैप की रेस में सिर्फ आरसीबी के पेसर जोश हेजलवुड जीवित हैं। हालांकि, उनके लिए ये काम आसान नहीं होने वाला है।

दरअसल, जोश हेजलवुड अभी पर्पल कैप से दूर हैं, लेकिन उन्होंने एक करिश्मा कर दिखाया तो पर्पल कैप उनके सिर पर सजी

हो गी। जोश हेजलवुड को पर्पल कैप हासिल करने के लिए कुछ ऐसा करना होगा, जो आईपीएल 2025 में अब तक सिर्फ दो बार हुआ है। जोश हेजलवुड को पर्पल कैप हासिल करने के लिए आईपीएल 2025 के फाइनल में कम से कम पांच विकेट चटकाने होंगे। अगर वे 4 विकेट भी चटकाते हैं और कम रन देते हैं तो भी वे पर्पल कैप की रेस में अच्छे औसत की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा से आगे निकल जाएंगे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 15 मैचों में आईपीएल 2025 में जीटी के लिए 25 विकेट निकाले थे। उनकी टीम का सफर एलिमिनेटर में खत्म हो गया था। वहीं, दूसरे नंबर पर 24 विकेटों के साथ नूर अहमद, तीसरे नंबर पर 22 विकेटों के साथ ट्रेंट बोल्ट और चौथे नंबर पर 21 विकेटों के साथ जोश हेजलवुड हैं। जोश हेजलवुड अगर पंजाब किंग्स के खिलाफ पारी में कम से कम 4 विकेट 30 से कम रन देकर या फिर कितने भी रन देकर 5 विकेट निकालते हैं तो वे प्रसिद्ध कृष्णा को पछाड़ देंगे, जिनका औसत 19.52 का है।

वरिष्ठ खेल प्रशासक हनुमान सिंह की 20वीं पुण्य तिथि पर विशेष : हनुमान सिंह ने हैंडबॉल के साथ जयपुर फुटबाल को भी नया जीवन दिया था

हनुमान सिंह टोंक जिले की टोडारायसिंह तहसील के मुंडिया कलां मोहल्ले के ठाकुर पृथ्वी सिंह के सबसे बड़े पुत्र थे। उनका जन्म 28 अगस्त 1951 को जयपुर में हुआ था। उनके माता-पिता दोनों ही विद्वान और धार्मिक थे। हनुमान सिंह ने छोटी उम्र से ही नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया, अक्सर विभिन्न खेलों में अपनी टीम का नेतृत्व करते थे। सरकारी सेवा में आने के बाद भी वे क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन आदि खेलों में भाग लेते हुए खेलों में सक्रिय रहे। उनकी नेतृत्व क्षमता इस बात से स्पष्ट होती है कि 1982 में मात्र सात कर्मचारियों के साथ उन्होंने विभागीय तकनीकी कर्मचारी संघ का गठन किया, जो आज राज्य का सबसे मजबूत कर्मचारी संगठन है। हनुमान सिंह एक प्रतिष्ठित कर्मचारी नेता और एक सम्मानित व्यक्ति थे। एक प्रखर वक्ता के रूप में उन्होंने अपने संदेशों को वाक्पटु, स्पष्ट और आकर्षक ढंग से व्यक्त किया। उनके सरल और मधुर व्यक्तित्व ने उनके अद्वितीय गुणों को उभारा, जिससे उन्हें व्यापक प्रशंसा मिली। 1982 में डिपार्टमेंट टेक्निकल एम्प्लाइज यूनियन की स्थापना से स्पष्ट है, जो राजस्थान में सबसे मजबूत कर्मचारी संगठन के रूप में विकसित हुआ है। दो वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने कई चुनौतियों पर विजय प्राप्त की।

जयपुर, 2 जून। दो दशक हो गए हनुमान सिंह को गुजरे लेकिन राजस्थान के खेल जगत में उनकी यादें आज भी खेलप्रेमियों के दिलों में बसी हुई हैं। मंगलवार को उनकी 20वीं पुण्यतिथि के मौके पर राजस्थान हैंडबाल संघ और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा उन्हें श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा। राजस्थान खेलों का एक ऐसा प्रशासक प्रदेश खेल जगत के बीच नहीं रहा, जिसने अपनी पूरी जिंदगी खिलाड़ियों के हित के लिए लड़ने में लगा दी थी। हनुमान सिंह राजस्थान हैंडबॉल व फुटबॉल संघ के अध्यक्ष थे। फुटबॉल में वे अपने पद से संतुष्ट नहीं थे, लेकिन हैंडबॉल जैसे अलोकप्रिय खेल को उन्होंने सूबे में लोकप्रिय खेलों के सूची में ला दिया था। आज से 20 वर्ष पहले गुरुवार की रात 2.00 बजे दिल का दौरा पड़ने से इस दुनिया को अलविदा कह गए। हनुमान सिंह ही वो शख्स थे, जिन्होंने हैंडबाल को राजस्थान में पहचान दिलाई। सत्तर के दशक में हैंडबाल भारत में आया और करीब चार दशक पूर्व हनुमान सिंह इस खेल से जुड़े। जयपुर जिला संघ के सचिव के रूप में खेल जगत में शुरुआत की लेकिन उनकी आयोजन क्षमता ने उन्हें धरि-धीरे बुलंदियों पर पहुंचा दिया। 25 साल के उनके अध्यक्ष कार्यकाल में कभी ऐसा मौका नहीं आया, जब किसी ने उन पर उंगली भी उठाई हो। वे खिलाड़ियों के लिए कॉर्पोरेट खेल संघ बनाना चाहते थे, जिसमें काफी अच्छा बजट हो और खिलाड़ियों को सुविधाएं मिलें। उन्होंने खिलाड़ियों को दौरे में अच्छी खुराक दी, अच्छी ड्रेस उपलब्ध कराई और जब कभी मेजबानी का उनको मौका मिला तो खिलाड़ियों को उन्होंने इतने इनाम दिए कि खिलाड़ियों को उन्हें समेटने के लिए ट्रक लाना पड़ता था। अगर कोई खिलाड़ी दुख में है तो यह विपदा हनुमान सिंह की थी, अगर कोई खिलाड़ी बीमार हो तो उसका इलाज और यहां तक कि दिवंगत हो गया हो तो उसके परिवार को लाखों की मदद। कुछ अरसे पहले हैंडबॉल के मशहूर खिलाड़ी अमृत नाहटा का निधन हो गया था। हनुमान सिंह ने अपने स्वयं के बल पर उनके लिए एक लाख रुपए से ज्यादा इकट्ठे किए और उनके पुत्र को नौकरी दिलवाई। गुरुवार को उनके निधन से पूर्व उन्होंने चाहा था कि मैं यह चैक मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से नाहटा की विधवा को दिलवाना चाहता हूं। 53 वर्षीय हनुमान सिंह न सिर्फ खिलाड़ियों की मदद करते थे, बल्कि सामाजिक कार्य में भी पीछे नहीं रहते थे। उन्होंने 75 हजार रुपए इकट्ठा करके जयपुर के कैंसर हॉस्पिटल को दिए। वे ऐसे अनुशासन प्रिय थे कि उनकी टीम में जयपुर के संभ्रांत घरों की लड़कियां खुले रूप से जयपुर के बाहर खेलने जाती थीं और आज तक कोई शिकायत नहीं हुई। इनमें मशहूर खेल प्रेमी योगी दुर्लभजी की लाड़ली भी शामिल थीं। हनुमान

सिंह से खेल जगत के कई पदाधिकारी नाराज भी थे। उन्होंने ही प्रताप पुरस्कार व वशिष्ठ पुरस्कार के निर्णायक मंडल की बैठक में साफ तौर पर कहा था कि मैं खिलाड़ियों के स्तर के आधार पर अवार्ड दूंगा। यही वजह थी कि जब उन्हें लगा कि कोई भी कोच वशिष्ठ पुरस्कार के योग्य नहीं है तो उन्होंने साफ कहा कि किसी को भी नहीं दिया जाना चाहिए और इसका सभी ने समर्थन किया था। हनुमान सिंह भारतीय हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष रह चुके थे और चीन समेत कई देशों में टीम के मैनेजर बनकर जा चुके थे। भारतीय खेल जगत में उनकी जीवटता की साख थी। वसुंधरा राजे की सरकार बनने के बाद यह माना जा रहा था कि वे खेल परिषद के अध्यक्ष मनोनीत किए जाएंगे, लेकिन शायद खेल जगत के भाग्य में एक ऐसे प्रशासक की भूमिका नहीं लिखी थी जो खिलाड़ियों को तरजीह देते थे न कि अधिकारियों को। वे कहा करते थे कि अगर मैं कभी अध्यक्ष बन गया तो ऐसे आमूल-चूल परिवर्तन करूंगा कि खेल जगत खिलाड़ियों के नाम से जाना जाएगा, न कि अधिकारियों के नाम से। ऐसे खेल अधिकारी विरले ही पैदा होते हैं। राजस्थान खेल जगत को इससे बड़ा नुकसान शायद ही कभी हुआ हो। वरिष्ठ खेल प्रशासक हनुमान सिंह के असामयिक निधन पर राजस्थान खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके निवास पर पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाने के लिए लगभग प्रत्येक खेल संघ के पदाधिकारी मौजूद थे। हनुमान सिंह का खेलों व खिलाड़ियों से जुड़ाव किसी से छिपा नहीं था, इसलिए उनके निधन पर सभी को शोक था। क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव किशोर रूंगटा और हनुमान सिंह में काफी पुराने संबंध थे और वे हमेशा खिलाड़ियों के हित के बारे में सोचा करते थे। हनुमान सिंह ने अपने दौर में खेल आयोजनों की ऐसी झड़ी लगाई थी कि जयपुर में क्षेत्रीय और अलग-अलग वर्गों की राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिताओं के साथ दक्षिण एशियाई हैंडबाल का ऐतिहासिक आयोजन कर दिखाया। तब भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते सौहार्द्रपूर्ण नहीं थे लेकिन हनुमान सिंह ने बावजूद इसके जयपुर में दक्षिण एशियाई हैंडबाल में बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान टीम को भी खिला कर लोगों को अचंभित कर दिया था। 2005 में उनके निधन के बाद से राजस्थान में हैंडबाल की कमान उनके बेटे यशप्रताप सिंह और तेजराज सिंह संभाले हुए हैं। पिता के नक्शे कदम यश प्रताप ने भी कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की जयपुर में शानदार मेजबानी की है। हनुमान सिंह हैंडबाल के साथ फुटबाल से भी जुड़े रहे। बदतर हालात में पहुंची जयपुर फुटबाल को नया जीवन देने के लिए वह जयपुर जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष बने और बाद में राजस्थान फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष बने। उन्होंने जयपुर और जोधपुर की संयुक्त मेजबानी में कई वर्षों पश्चात राष्ट्रीय जूनियर फुटबाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इसी का नतीजा था कि वह राजस्थान फुटबाल में भी अपनी छाप छोड़कर इसके अध्यक्ष भी रहे। हनुमान सिंह राजस्थान खेल जगत की एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने स्वार्थ को छोड़ खेलों के हित में कोई भी कदम उठाने से कभी परहेज नहीं किया। अन्य खेल संघों ने उनके इस कदम को सरकार विरोधी कदम बताकर उन पर उंगलियां भी उठाई, मगर उन्होंने खेलों के व्यापक हित को कभी नजरंदाज नहीं किया।